भाजपा से ''ऑफिशियली'' नाता तोड़ा अन्नाद्रमुक ने

- अन्नाद्रमुक नेतृत्व ने कहा कि, पार्टी अपने नेताओं अन्ना दुरै और जयललिता का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी।
- अन्नाद्रमुक नेताओं ने भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व से तमिलनाडू भाजपा प्रमुख अन्नामलाई को हटाने की गुहार की थी, पर जब ऐसा नहीं हुआ तो अन्नाद्रमुक ने पहले चेतावनी दी और फिर रिश्ता तोड़ लिया।
- भाजपा के साथ गठबंधन टूटने पर अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं ने पटाखे जलाकर खुशी जताई।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। अब यह अधिकारिक हो गया है। अन्नाद्रमुक ने सोमवार को भाजपा से अपना गठबंधन तोड़ लिया है क्योंकि उसके सभी जिला इसकी मांग कर रहे थे। कारण यह है कि भाजपा की तमिलनाडु इकाई रात-दिन अन्नाद्रमुक नेताओं को गालियां निकालती है।

भाजपनीत एन.डी.ए. से अलग होने की घोषणा आज चेन्नई में अन्नाद्रमुक के जिला सचिवों, सांसदों और विधायकों की बैठक में की गई। इसका अर्थ यह है कि तमिलनाडु में अब मुकाबला त्रिकोणीय होगा जिसका फायदा द्रमुक (डी.एम.के.) को मिलेगा।

अन्नाद्रमुक नेता के.पी. मुनु स्वामी ने पार्टी मुख्यालय पर संवाददाताओं से कहा, ''आज से हम गठबंधन से बाहर हो रहे है और संसद का चुनाव अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ लड़ेंगे।''

इस निर्णय की घोषणा के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं ने दोपहर बाद सभा स्थल पर पटाखे चलाए। दरअसल पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि अन्नाद्रमुक राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन के कारण अपना आधार खो रही थी क्योंकि भाजपा को ऐसी पार्टी के रूप में देखा जा रहा है जो तमिलनाडु के हितों के खिलाफ है।

लेकिन पार्टी के सूत्रों का कहना है कि आम चुनाव के बाद सरकार बनाने में अन्नाद्रमुक भाजपा का समर्थन दे सकती है। हाल के माहों में दोनों पार्टियों के संबंध तनावपूर्ण थे क्योंकि भाजपा के राज्य अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने काफी आक्रामक रूख अपना लिया था और विपक्ष का सारा स्थान घेरने में लगे थे। इससे अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ता और पदाधिकारी खफा थे।

अन्नामलाई ने अन्नादुराई और जे. जयललिता सहित कई अन्नाद्रमुक नेताओं के खिलाफ अनर्गल भाषा का प्रयोग किया।

अन्नाद्रमुक के प्रवक्ता कोवई सत्यन ने एक टी.वी. चैनल को कहा कि भाजपा अन्नाद्रमुक को हल्के में नहीं ले सकती और पार्टी इस अपमान को और सहन नहीं कर सकती। जिसकी कीमत उसे अपने राजनैतिक चेहरे के रूप में चुकानी पड़ रही है।

भाजपा लगातार बार-बार गठबंधन धर्म को तोड़ रही है और अन्नाद्रमुक ने इसे बचाने की पूरी कोशिश की।

अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता दिल्ली में डेरा डाले थे केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के रणनीतिकार को स्थिति बयान करते हुए अन्नामलाई को हटाने की शर्त पर गठबंधन जारी रखने की बात कहने।

लेकिन भाजपा दीर्घावधि राजनीति के तहत राज्य में अपनी इकाई को मजबूत करने और अपना जनाधार बढ़ाने की सोच रही है। अन्नामलाई भीड़ जुटा रहे हैं और राज्य इकाई को उम्मीद है कि भाजपा आगे बढ़ सकती है लेकिन अन्नाद्रमुक के साये में रहकर नहीं कर पा रही है।

अन्नाद्रमुक के इस निर्णय के साथ ही यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी लोकसभा चुनाव तथा 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव अपने बलबूते पर अपने सहयोगियों के साथ लड़ेगी। लेकिन भाजपा भी इसी कोशिश में लगी है इसलिए द्रमुक-विरोधी वोटों का विभाजन हो जाएगा जिससे लोकसभा में इण्डिया गठबंधन की जीत आसान होगी।

जे.डी.एस. उपाध्यक्ष ने पार्टी छोड़ी

बेंगलुरु, 25 सितंबर (वार्ता)। जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन के तुरंत बाद उस समय बड़ा झटका लगा जब उसकी कर्नाटक इकाई के उपाध्यक्ष सैयद शफीउल्ला ने धर्मनिरपेक्षता का हवाला देते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया। शफीउल्ला ने

- जे.डी.एस. उपाध्यक्ष ने भाजपा से गठबंधन के विरोधस्वरुप जे. डी. एस. से इस्तीफा दे दिया।

रविवार को यहां अपने बयान में कहा , धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वाले कई और लोग जद (एस) छोड़ देंगे। भाजपा जातियों और समुदायों के बीच मतभेद पैदा करती है और अपने सांप्रदायिक एजेंडे के अनुसार काम करती है। इससे पहले उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी.एम. इब्राहिम को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा था कि उनके पास पार्टी छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जिसने भाजपा जैसी सांप्रदायिक पार्टी से हाथ मिलाया है।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने केन्द्रीय मंत्रियों,सांसदों की फौज उतारी

भाजपा ने कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद गणेश सिंह, सीधी से सांसद रीती पाठक, निवास से फग्गन सिंह कुलस्ते, नरसिंहपुर से प्रहलाद सिंह पटेल को विधानसभा चुनाव का टिकट थमाया

- केंद्रीय मंत्रियों के अलावा कैलाश विजयवर्गीय को भी टिकट दिया। बीजेपी की दूसरी लिस्ट में 39 उम्मीदवारों का नाम है, जिनमें 6 महिलाएं हैं। इससे पहले अगस्त में भाजपा ने इस चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी, उसमें भी 39 उम्मीदवारों के नाम शामिल थे।

भोपल, 25 सितंबर। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। बीजेपी की दूसरी लिस्ट में केंद्रीय मंत्री से लेकर सांसदों तक के नाम हैं। दिमनी से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर चुनाव लड़ेंगे। सतना से सांसद गणेश सिंह, सीधी से सांसद रीती पाठक, निवास से फग्गन सिंह कुलस्ते, नरसिंहपुर से प्रहलाद सिंह पटेल, गाडरवारा से सांसद उदय प्रताप सिंह को मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी ने टिकट थमाया है।

बीजेपी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए दिग्गजों की फौज को मैदान में उतारा है। होशंगाबाद से सांसद उदय प्रताप सिंह को भी मौका दिया गया है। केंद्रीय मंत्रियों के अलावा कैलाश विजयवर्गीय को भी टिकट थमाया गया है। बीजेपी की दूसरी लिस्ट में 39 उम्मीदवारों का नाम है जिनमें 6 महिलाएं हैं। इससे पहले अगस्त में बीजेपी ने इस चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी उसमें भी 39 उम्मीदवारों के नाम शामिल थे।

17 अगस्त को बीजेपी ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इस चुनाव के लिए अब तक बीजेपी 78 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर चुकी है। इस विधानसभा की कुल 230 सीटें हैं। साल 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 114 सीटें जीती थीं। वहीं बीजेपी के खाते में 109 सीटें आई थीं। उस वक्त कांग्रेस ने कुछ पार्टियों को साथ लेकर अपनी सरकार बनाई थी और कमलनाथ राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। करीब 15 महीने बाद यह सरकार गिर गई थी और बीजेपी की सत्ता में वापसी हुई थी।

आने वाले महीनों में देश के पांच राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं। बीजेपी छत्तीसगढ़ में होने वाले चुनाव के लिए भी बीजेपी अब तक अपने 21 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर चुकी है।

बिधूड़ी की साम्प्रदायिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आचरण'' की जाँच कराने का अनुरोध किया है। अपने पत्र में, दुबे ने अली पर आरोप लगाया है कि वे, लोकसभा में बिधूड़ी के भाषण के दौरान ''रनिंग कमेंट्री'' कर रहे थे तथा उन्हें उकसाने के उद्देश्य पर टिप्पणी कर रहे थे, ताकि बिधूड़ी आत्म संयम खो बैठें।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर सांसद रविकिशन ने स्पीकर से अनुरोध किया है कि गत वर्ष 9 दिसम्बर जब वे (किशन) एक विधेयक पेश कर रहे थे, उस समय के अली की ''असंसदीय हरकतों'' तथा शब्दों की जाँच की जाये। चौंकाने वाली बात यह है कि दानिश अली की कथित असंसदीय कृत्य के करीब 9 महीने बाद किशन को इस पत्र को लिखने की याद आई।

जाहिर है कि सत्तारूढ़ दल पूरे प्रयास कर रहा है कि लोकसभा में उसके एक सांसद द्वारा की गई एक आपराधिक घटना की गंभीरता को कम किया जा सके। स्पीकर बिड़ला ने बिधूड़ी के भाषण की पूरी आपत्तिजनक सामग्री लोकसभा की कार्यवाही से हटा दी थी, लेकिन इससे पहले कि वे इसे हटाने का आदेश देते, भाजपा सांसद के भाषण का वीडियो वायरल हो चुका था। इस प्रकार जो कुछ बिधूड़ी ने सदन के पटल पर कहा, राष्ट्र ने उसे देख लिया है।

स्पीकर, जो लोकसभा के अभिरक्षक होते हैं, यह निर्णय लेने में समय ले रहे हैं कि इस मुद्दे को विशेषाधिकार समिति को सौंपे जाने की जरूरत है या नहीं तथा वे कोई सख्त संदेश देने में जल्दबाजी से काम नहीं ले रहे है ताकि कोई अन्य सांसद सदन में इस प्रकार की अभद्र एवं साम्प्रदायिकतापूर्ण भाषा के प्रयोग का सहारा लेने की हिम्मत नहीं कर सके।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस घटना की भर्त्सना की थी तथा उन्होंने अपनी पार्टी-साथी की ओर से क्षमा याचना भी की थी। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के मुँह से एक भी शब्द नहीं निकला था, जबकि आज केवल मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के शब्दों का ही महत्व है।

दूसरी तरफ, सर्वोच्च न्यायालय ने इसे ''गंभीर और चिन्ताजनक'' बताया और कहा कि यह मामला ''जीवन के अधिकार'' का है। इस साल के शुरु में, संबंधित घटना का वीडियो वायरल हो गया तथा उसके कारण बड़े पैमाने पर आक्रोश पैदा हुआ था। जब वह विद्यार्थी खड़ा-खड़ा रो रहा था, उसके सहपाठी बारी-बारी से उसे थप्पड़ लगा रहे थे। वीडियो में महिला शिक्षक भी विद्यार्थियों से यह कहते सुनी गई कि उसे जोर से थप्पड़ लगाओ। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिये कि वह पीड़ित छात्र तथा इस घटना से जुड़े अन्य छात्रों की प्रोफेशनल काउंसलरों द्वारा काउंसलिंग कराये।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण को 30 अक्टूबर तक के लिये स्थगित कर दिया तथा उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिये कि वह इस घटना में शामिल छात्रों की काउंसलिंग की अनुपालना रिपोर्ट पेश करें तथा पीड़ित बच्चे की शिक्षा की जिम्मेदारी लें।

सर्वोच्च न्यायालय ने एफ.आई.आर. के मैटर पर गंभीर आपत्तियाँ दर्ज की। एफ.आई.आर. में बच्चे के पिता द्वारा लगाये गये आरोप शामिल नहीं हैं। अदालत ने कहा कि इस बच्चे के पिता ने बयान दिया था कि उसे बेटे की पिटाई उसके धर्म के कारण हुई, लेकिन यह बात एफ.आई.आर. में नहीं है। अदालत ने कहा कि मामला गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का है जिसमें संवेदनशील शिक्षा शामिल होती है। अदालत ने आगे कहा कि यह प्रकरण उत्तर प्रदेश सरकार के ''राईट टू एजुकेशन'' एक्ट के प्रावधानों की अनुपालना में असमर्थ रहने का है, जिसके अन्तर्गत, 14 साल तक के बच्चों को जाति, धर्म एवं लिंग के भेदभाव के बिना, गुणवत्तापूर्ण, नि:शुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा देने का प्रावधान है।

सर्वोच्च न्यायालय महात्मा गांधी के पड़पोते, तुषार गांधी द्वारा दायर याचिका की सुनवाई कर रहा था याचिका में, इस केस की शीघ्रता से जाँच कराने की माँग की गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि इस घटना के साम्प्रदायिक पहलू को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत किया गया है।

6 सितम्बर को, अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर के जिला पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट तलब की थी। अदालत ने पूछा था कि आरोपियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई तथा इस बच्चे के परिवार की सुरक्षा के लिये क्या कदम उठाये गये।

60 वर्षीय आरोपी शिक्षिका तृप्ता त्यागी, जो मुजफ्फरनगर के नेहा पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल भी है, ने पहले कहा था कि वह अपने इस भद्दे कृत्य पर शर्मिन्दा नहीं है, लेकिन बाद में, उसने एक वीडियो मैसेज में जोर देते हुये कहा कि विद्यार्थियों को उनके मुस्लिम सहपाठी को थप्पड़ लगाने के लिये कहने के पीछे उसका कोई साम्प्रदायिक उद्देश्य नहीं था। उसने हाथ जोड़कर, इस बात को दोहराया कि उससे ''गलती हुई'' है तथा उसने माफी माँगी।

दलगत राजनीति से आगे बढ़कर, सभी राजनेताओं ने इसे द्वेष-जनित अपराध बताते हुये, इस घटना की निंदा की है तथा राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है।

रॉ की खूफिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दलील दी कि पूरा मामला बदले की भावना से जुड़ा हुआ है। याचिकाकर्ता सिंह ने अपनी याचिका में दलील दी है कि उन्होंने दो प्रमुख मुद्दों को उजागर करने की मांग की है, वह है देश की बाहरी खुफिया एजेंसी रॉ में जवाबदेही की कमी और भ्रष्टाचार। इस पर पीठ ने उनसे पूछा,तो क्या आप देश से बदला लेंगे।

दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने 31 मई, 2023 को रॉ अधिकारी के नाम, स्थान और मंत्रियों के समूह की सिफारिशों आदि के खुलासे के संबंध में सी.बी.आई. की शिकायत पर गौर किया था। पीठ ने कहा,राष्ट्रीय सुरक्षा पर कौन से पूर्वाग्रह हैं, इसका निर्णय अदालतें नहीं कर सकतीं...इस प्रकार, गवाहों की जांच के बाद यह परीक्षण का विषय होगा कि क्या याचिकाकर्ता द्वारा अपनी पुस्तक में किए गए खुलासों से भारत की संप्रभुता और अखंडता और/या राज्य की सुरक्षा पर असर पड़ने की संभावना है। भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय के उप सचिव बी. भट्टाचार्जी की शिकायत पर सी.बी.आई. ने 20 सितंबर 2007 को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

कांग्रेस नेतृत्व ने गहलोत के पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। सूत्रों का कहना है कि राहुल को जब पता लगा कि वक्ताओं में सचिन पायलट का नाम नहीं है तो उन्होंने के.सी. वेणुगोपाल को निर्देश दिए और पायलट का नाम वक्ताओं की लिस्ट में जुड़वाया। पता चला है कि राहुल गांधी ने इस बारे में राजस्थान के प्रदेश प्रभारी और आई.सी.सी. महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा से भी जवाब तलब किया कि पायलट का नाम वक्ताओं की लिस्ट में क्यों नहीं है।

राजस्थान में तो यह जग जाहिर है कि रंधावा ऐसे काम करते हैं मानो वे अशोक गहलोत से वेतन ले रहे हों वे उन्हीं के निर्देशों का पालन करते हैं। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनके अधीन काम कर रहे सचिव भी वही करेंगे जो रंधावा करते हैं। सचिव अमृता धवन दिल्ली के फाइव स्टार होटल में लोकेश शर्मा के साथ डिनर करते हुए देखी गईं। ए.आई.सी.सी. में चर्चा है कि अमृता धवन को मैनेज कर लिया गया है और उन्हें समझा दिया गया है कि मुख्यमंत्री क्या चाहते हैं और किसे टिकट मिलना चाहिए।

सूत्रों का कहना है कि कई पर्यवेक्षकों को भी फर्जी सर्वे व मनगढ़ंत रिपोर्ट दिखाकर समझा दिया गया हैं। इन्हें गहलोत के करीबी विधायकों के पक्ष में रिपोर्ट भेजी जा रही है जबकि ये विधायक बुरी तरह से हार रहे हैं।

कहते हैं तस्वीरें शब्दों से ज्यादा सटीक बात कहती हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में लगा पोस्टर भी ऐसा ही कुछ कहता नज़र आया कि, प्रदेश में केन्द्रीय नेतृत्व सभी नेताओं को एक समान स्तर पर रख रहा है किसी को विशेष तवज्जो नहीं मिलेगी। शहर भर में लगे तमाम होर्डिंग्स व पोस्टर्स में ''लार्जर दैन लाइफ'' नजर आने वाले मु.मंत्री गहलोत कार्यकर्ता सम्मेलन के पोस्टर में प्रदेश के अन्य नेताओं के समकक्ष नज़र आए।

एम.पी. में कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा में मारपीट

- आंतरिक गुटबाजी खुलकर सामने आई, कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेत्री को मंच से नीचे उतारा
- गौरतलब है कि, मध्यप्रदेश में भाजपा की आशीर्वाद यात्रा के विरोध में कांग्रेस जन आक्रोश यात्रायें निकाल रही है, लेकिन, यात्रा के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष ही कांग्रेस कार्यकर्ता जमकर विरोध प्रकट कर रहे हैं।

भोपाल, 25 सितम्बर। मध्य प्रदेश में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा के खिलाफ कांग्रेस जन आक्रोश यात्रा निकाल रही है। हालांकि कांग्रेस को अपने ही कार्यकर्ताओं के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ नेताओं के सामने ही कार्यकर्त्ता एक दूसरे से भिड़ते नजर आ रहे हैं। उज्जैन के बड़नगर विधानसभा में जनआक्रोश यात्रा के दौरान गुटबाजी के चलते नेताओं के सामने ही कार्यकर्ता एक दूसरे से भीड़ गए। इस दौरान प्रदेश महासचिव कांग्रेस नेत्री को मंच पर जाने से भी रोका गया। नेत्री ने आरोप लगाया कि विधायक के समर्थकों ने उन्हें गालियां दी। बाद में वह कार्यक्रम छोड़कर चली गईं। विवाद का वीडियो सोमवार को वायरल हुआ है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बड़नगर विधानसभा में कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा में जमकर हंगामा हुआ। यात्रा में स्थानीय गुटबाजी खुलकर सामने आई। जन आक्रोश यात्रा बड़नगर विधानसभा के भाटपचलाना से शुरू की गई। शाम को यात्रा ने बड़नगर में प्रवेश किया। जहां कांग्रेस नेताओं ने अपने अलग-अलग लगे मंच से पूर्व मंत्री पटवारी का माला पहनाकर स्वागत किया। यात्रा में कांग्रेस की गुटबाजी हावी नजर आ रही थी।

जन आक्रोश यात्रा में प्रदेश की महासचिव नेत्री को मंच पर जाने से रोकने पर हंगामा हो गया। जीतू पटवारी और नागदा विधायक दिलीप गुर्जर ने नेत्री की शिकायत के बाद उन्हें मंच पर बुलाया।

आरोप लगे कि विधायक के रिश्तेदार और पुत्र ने अश्लील फब्तियां कसी जिससे वह परेशान होकर कार्यक्रम छोड़कर चली गईं। कार्यक्रम में हुए विवाद को लेकर पुलिस थाने में विधायक के बेटे और भाई के खिलाफ शिकायती आवेदन दिया गया है।

कांग्रेस नेत्री ने आरोप लगाया कि विधायक मुरली मोरवाल के बेटे करण मोरवाल, शिवम मोरवाल और भाई इन्दर मोरवाल के साथ उनके समर्थकों ने अश्लील हरकतें की और गंदी गालियां दी। कांग्रेस नेत्री रैली के दौरान रथ पर सवार थीं। उन्होंने कहा- मैं प्रदेश महासचिव और उज्जैन की प्रभारी होने के नाते कार्यक्रम के मंच पर जा रही थी, लेकिन मुझे विधायक के बेटे भाई और अन्य लोगों ने रोक कर गंदी गालियां दी। इन सब से परेशान होकर मैं मंच के पास आकर खड़ी हो गई, जहां विधायक का भाई इन्दर मोरवाल आ गया और उसने मुझे अपशब्द कहते हुए सभा से बाहर निकलने की धमकी दी।

दरअसल, कांग्रेस नेत्री और विधायक पुत्र के बीच पूर्व का विवाद है।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने अपील खारिज कर निचली अदालत की ओर से स्टे प्रार्थना पत्रों को खारिज करने वाले निचली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट में पूर्व राजपरिवार की ओर से कहा कि, राज्य सरकार टाउन हॉल की जगह म्यूजियम बना रही है और इसके निर्माण को रोक जाए। इसके जवाब में राज्य सरकार के एएजी मनीष सिंघवी का कहना था कि, राज्य सरकार टाउन हॉल की जगह का 70 साल से भी ज्यादा समय से उपयोग कर रही है। इसके अलावा इसे 2002 में संरक्षित स्मारक भी बनाया है। राज्य सरकार टाउन हॉल को संरक्षित रख रही है। राज्य सरकार को इसका उपयोग करने का अधिकार है। यहां पर अब म्यूजियम बनाया जा रहा है जिसके निर्माण पर काफी रुपए खर्च हो चुके हैं। इसलिए म्यूजियम के निर्माण कार्य पर रोक नहीं लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनकर पूर्व राजपरिवार की एसएलपी खारिज कर दी।

गौतम लाहिड़ी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुये थे तथा चुनाव में 44,000 में से 11,000 सदस्यों ने भाग लिया था। गौतम पैनल से जुड़े 22 एग्जीक्युटिव मैम्बर भी चुने गये हैं।

'मुझे किसी भी पद की लालसा नहीं है, बस विपक्ष को संगठित करना चाहता हूँ'

- खुद को ''प्रधानमंत्री टाइप मटीरियल'' बताये जाने पर नीतीश ने पत्रकारों के समक्ष यह बात कही।

पटना, 25 सितंबर (वार्ता)। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने आज एक बार फिर दुहराया कि उन्हें किसी पद की लालसा नहीं है और वह अभी विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हैं।

कुमार ने स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर राजेन्द्र नगर, रोड नम्बर-3 स्थित पार्क में आयोजित राजकीय समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में जदयू नेता महेश्वर हजारी द्वारा उन्हें (कुमार को) प्रधानमंत्री मैटेरियल बताने से संबंधित प्रश्न पर कहा, ''मुझे किसी पद की लालसा नहीं है।

मैं सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने में लगा हुआ हूं।'' उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एन.डी.ए.) की तरफ झुकाव के बारे में पूछे जाने पर अनभिज्ञता जाहिर की और कहा कि इस तरह की फालतू बातें क्यों करते हैं। वह तो विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने में लगे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने 'इंडिया' गठबंधन की अगली बैठक कब होगी और आगे की रणनीति क्या होगी, इस सवाल पर कहा कि कमेटियां बन गई हैं, बैठक हो रही है। हम इस काम में उन लोगों को सुझाव दे रहे हैं, सभी लोग लगे हुए हैं। आगे सब कुछ तय कर लिया जाएगा।

कुमार ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट कब सार्वजनिक की जाएगी के बारे में पूछने पर कहा कि यह काम लगभग पूरा कर लिया गया है। रिपोर्ट के तैयार होते ही उसे पब्लिश कर दिया जाएगा।

उन्होंने आज कैबिनेट की बुलाई गई बैठक से संबंधित सवाल पर कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक कल होनी थी लेकिन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव को बाहर जाना है इसलिए आज ही कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है और कोई विशेष बात नहीं है।

कश्मीर में सोमवार को दो आतंकी पकड़े

श्रीनगर, 25 सितंबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों ने दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और हथियारों और गोला-बारूद के साथ पांच हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में एक बड़ी सफलता में हासिल करते हुये कुलगाम पुलिस ने 1आरआर, 9आरआर, 18 बीएन सी.आर.पी.एफ., 46 बी.एन.- सी.आर.पी.एफ. के साथ दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और हथियारों और गोला-बारूद के साथ पांच हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि उनके कब्जे से दो पिस्तौल, 3 हैंड ग्रेनेड एक यूबीजीएल, पिस्तौल मैगजीन 2, पिस्तौल राउंड 12, एके 47 राउंड 21 बरामद किए गए हैं।

'याद रखिए मोदी यानी गारंटी पूरी होने ....

- संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के बाद राजस्थान में हुई यह सभा नारी शक्ति पर केन्द्रित देखी गई। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी पर पुष्प वर्षा कर आभार जताया।
- सभा से पहले प्रधानमंत्री मोदी धानक्या गांव गए और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी गांव में दीनदयाल उपाध्याय का जन्म हुआ था।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भर से आए सैकड़ों लोगों को हालांकि गर्मी सहित कई परेशानियों का सामना करना पड़ा लेकिन लोगों ने पूरे समय रुककर मोदी का भाषण सुना।

सभा में मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए कहा, जिस तरह से कांग्रेस ने सरकार चलाई है, वह ज़ीरो नंबर की हकदार है, इसलिए राजस्थान के लोगों ने ठान लिया है कि, गहलोत सरकार को हटाकर भाजपा को वापस लाएंगे। उन्होंने कहा, लोग यह याद रखें कि मोदी का मतलब है- गारंटी पूरी होने की गारंटी। यदि भाजपा सरकार आई तो पेपर लीक करने वाले माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घमंडिया गठबंधन पर उन्होंने कहा कि, ये लोग सनातन को जड़ से मिटाना चाहते हैं, लेकिन आने वाले चुनावों में वे खुद जड़ से उखड़ जाएंगे । मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, मैं जयपुर ऐसे समय आया हूं, जब भारत का गौरव सातवें आसमान पर है। जहां कोई नहीं पहुंच पाया, चांद की उस सतह पर भारत पहुंचा है। पूरी दुनिया भारत के पराक्रम से हैरान है।

मोदी ने कहा, अनेक दशकों से माताएं - बहनें लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण की आस लगाए बैठी थीं। उनकी यह उम्मीद आपके वोट की ताकत ने पूरी करके दिखाई है। आपके वोट ने मुझे चुना और मैंने आपकी सेवा की गारंटी दी। आज आपकी यह गारंटी मैंने पूरी कर दी है। आप लोग यह याद रखें कि, मैं जो कहता हूं, करके दिखाता हूं। इसलिए मेरी गारंटी में दम होता है। यह बात हवा में नहीं कहता हूं, 9 साल का मेरा ट्रैक रिकॉर्ड है।

उन्होंने कहा, मोदी ने वन रैंक-वन पेंशन का वादा किया था, वह गारंटी मोदी ने पूरी कर दी है। अब तक इस पेंशन से लोगों को 70 हजार करोड़ रुपए मिल चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जो कांग्रेस महिला आरक्षण की बात कर रही है वो यह काम 30 साल पहले कर सकती थी, लेकिन कांग्रेसी कभी यह चाहते ही नहीं थे। कांग्रेस और उसके घमंडिया साथी महिला आरक्षण के घोर विरोधी हैं। कांग्रेस के साथी अभी भी दबाव बना रहे हैं, इसलिए राजस्थान की महिलाओं को सतर्क रहना है।

मोदी ने कहा कि, कांग्रेस और घमंडिया गठबंधन ने घोषणा की है कि, वो सनातन को जड़ से मिटा देंगे। कांग्रेस हमारी पहचान मिटाने की तैयारी कर रही है। आने वाले हर चुनाव में घमंडिया गठबंधन को इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा।

मोदी ने कहा कि, राजस्थान में जितनी बार पेपर लीक होते हैं, छात्र परेशान होते हैं। यहां की सरकार पेपर लीक माफियाओं को संरक्षण देती है। युवाओं के भविष्य से खिलावाड़ करने वाले किसी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा।

मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, यहां लाल डायरी में काली करतूतें छिपी हैं। हर जगह कट और कमीशन फैला है, इसलिए यहां कौन पैसा लगाना चाहेगा? इसलिए यहां औद्योगिक विकास पिछड़ा हुआ है। कानून व्यवस्था भ्रष्ट है। जहां सरे आम गला काटने की घटना हो और सरकार मजबूर हो, ऐसे हालत में निवेश कैसे हो सकता है।

मोदी ने कहा, कांग्रेस ने पांच साल पहले किसानों से जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। उन वादों का क्या हुआ, इसका कोई हिसाब नहीं है। औने-पौने भाव में बाजरा बेचना पड़ रहा है। इसकी एक मात्र जिम्मेदार कांग्रेस और गहलोत सरकार है।

सभा से पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी जन्मस्थली धानक्या में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद वो खुली जीप से सभा स्थल गए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी मौजूद थे।

रोजगार मेला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, रोजगार मेले का आयोजन पूरे देश के 46 स्थानों पर होगा। ये भर्तियाँ केन्द्र सरकार के सभी विभागों में की जा रही है तथा राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश सरकारें भी इस पहल में सहयोग प्रदान कर रही है। पूरे देश में चयनित ये नवनियुक्त कर्मचारी केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में पदस्थापित होंगे, जिनमें डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स, इंडियन ऑडिएंड अकाउन्ट्स डिपार्टमेंट, डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी, डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू, डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस, मिनिस्ट्री ऑफ हैल्थ एण्ड फैमिली वैलफेयर भी शामिल हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908